नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

भारत-कोरिया के बीच संबंधों का नया दौर

भारत और दक्षिण कोरिया के बीच तेजी से गहराता आर्थिक और रणनीतिक रिश्ता अब एक नए निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है. दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग का भारत दौरा और 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर 54 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य केवल आंकड़ों का खेल नहीं, बल्कि एशिया की दो उभरती ताकतों के बीच भविष्य की साझेदारी का स्पष्ट संकेत है. 16 एमओयू पर हस्ताक्षर और 'भारत-कोरिया औद्योगिक सहयोग समिति' का गठन इस दिशा में ठोस कदम हैं.

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंधों की नींव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भी है. आधुनिक दौर में 1973 में राजनयिक संबंधों की स्थापना के बाद यह रिश्ता लगातार विकसित हुआ और 2010 में इसे 'विशेष रणनीतिक साझेदारी' का दर्जा दिया गया. तब से रक्षा, व्यापार, तकनीक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में लगातार विस्तार हुआ है.

मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में, जहां आपूर्ति श्रृंखलाओं का पुनर्गठन हो रहा है और तकनीकी प्रतिस्पर्धा तेज हो रही है, भारत और कोरिया की साझेदारी का महत्व और बढ़ जाता है. सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हरित ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़त दिला सकता है. भारत के पास विशाल बाजार, युवा कार्यबल और बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था है, जबकि दक्षिण कोरिया के पास उन्नत तकनीक, अनुसंधान क्षमता और औद्योगिक दक्षता है. यह संयोजन 'विन-विन' स्थिति तैयार करता है.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'चिप्स से शिप्स' तक सहयोग का विजन इस रिश्ते की व्यापकता को दर्शाता है. कोरिया पहले से ही भारत में ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और शिप बिल्डिंग सेक्टर में बड़ा निवेशक रहा है. सैमसंग, एलजी, हुंडई और किआ जैसी कंपनियां भारतीय बाजार में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा चुकी हैं. अब यदि सेमीकंडक्टर निर्माण और एआई जैसे क्षेत्रों में भी कोरियाई निवेश आता है, तो भारत की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल को नई गति मिल सकती है.

हालांकि, इस साझेदारी के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं. भारत-कोरिया व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता की समीक्षा लंबे समय से लंबित है, जिससे व्यापार असंतुलन और बाजार पहुंच से जुड़े मुद्दे बने हुए हैं. भारत को अपनी विनिर्माण क्षमता और लॉजिस्टिक्स ढांचे को और मजबूत करना होगा, ताकि कोरियाई निवेश को अधिक आकर्षित किया जा सके. वहीं, कोरिया को भी भारतीय बाजार की जटिलताओं को समझते हुए दीर्घकालिक रणनीति अपनानी होगी.

कुल मिलाकर, भारत और दक्षिण कोरिया के बीच यह नया आर्थिक और तकनीकी गठजोड़ केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में संतुलन और स्थिरता के लिए भी महत्वपूर्ण है. यदि दोनों देश अपने साझा हितों और क्षमताओं का सही उपयोग करते हैं, तो यह साझेदारी न केवल 54 अरब डॉलर के लक्ष्य को हासिल करेगी, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में एक नई शक्ति के रूप में उभर सकती है.

दिल्ली डायरी

महिला आरक्षण बना शह-मात का राजनीतिक हथियार

प्रवेश कुमार मिश्र

लोकसभा में पेश महिला आरक्षण विधेयक (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) और इससे जुड़ी जनगणना व परिसीमन विधेयक के गिरने के बाद आरंभ हुई राजनीतिक परिचर्चा अब संसद से सड़क की ओर बढ़ चली है. हरेक दल एक दूसरे को छोटा और महिला विरोधी बताकर अपनी अपनी पीठ थपथपाने के फिराक में है. शह-मात के इस खेल में दलों के प्रथम पंक्ति के नेता भी अपने को मोर्चाबंदी पर लगाकर इसकी धमक गांव व शहरों की गलियों तक पहुंचाने के लिए बहुस्तरीय रणनीति को अमलीजामा पहनाने में लगे हैं. जिस तरह का राजनीतिक बवंडर खड़ा हो रहा है उसके कारण समय, काल परिस्थित इस बिल के औचित्य पर सार्थक बहस के लिए भी वक्त देने को तैयार नहीं है. सत्ताधारी आक्रमण और विपक्षी बचाव के बीच चल रहे नोंक-झोंक से इतर किनारे खड़ी महिलाएं अपनी भविष्य व भूमिका को लेकर असमंजस की स्थिति में दिख रही हैं.

बंगाल फतह के लिए भाजपाईयों ने झोंकी ताकत

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाजपाई रणनीतिकारों ने प्रचार अभियान को इस रूप से सुसज्जित किया है कि लोग यह कहने लगे हैं कि पश्चिम बंगाल का कोई भी गांव या मुहल्ला उनके केन्द्रीय कंट्रोल रूम से दूर नहीं है. दिल्ली में स्थापित कंट्रोल रूम न सिर्फ राज्य मुख्यालय से जुड़ा है बल्कि सभी विधानसभा क्षेत्रों के पंचायतों व गांवों में हो रहे हलचल पर नजर रखे हुए हैं. दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में भाजपाई आक्रामक प्रचार अभियान की खूब चर्चा हो रही है. पश्चिम बंगाल के पड़ोसी राज्यों के अलावा हिंदी भाषी राज्यों के सांसद,विधायक, पार्षद और जिला संगठन के प्रखर वक्ताओं को जमीनी स्तर पर उतारा गया है. केन्द्रीय नेतृत्व की ओर से भी सभी संभव ताकत झोंक दी गई है. संभवत: इसी वजह से कहा जा रहा है कि इससे पहले किसी भी प्रदेश में इस तरह से प्रचार अभियान को सुसज्जित नहीं किया गया था. जबकि दूसरी ओर सत्ता बचाने के लिए ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी ने भी जबरदस्त मोर्चाबंदी कर रखी है.

सम्राट के नेतृत्व में बहुस्तरीय बदलाव की सुगबुगाहट

बिहार में पहली बार भाजपा नेतृत्व वाली सरकार के अगुआ सम्राट चौधरी ने सूबे में बेहतर व पारदर्शी शासन व्यवस्था स्थापित करने के लिए ठोस रणनीति पर आगे बढ़ना आरंभ कर दिया है. हालांकि अभी भी नीतीश कुमार की परछाई सत्ता पर काबिज दिख रही है लेकिन इन सबके बीच सम्राट चौधरी जहां एक तरफ पार्टी के वरिष्ठ व समकक्षों के साथ समन्वय स्थापित करने में जुटे हैं वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक व्यवस्था के बीच बदलाव की धमक देने के प्रयास में लगे हैं. चर्चा है कि पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आने के बाद मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा और ब्लाक स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल की जाएगी.

पार्टी को एकजुट रखने में जुटे नीतीश

जदयू प्रमुख और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इन दिनों अपने संगठन को एकजुट करने में लगे हैं. पार्टी पर अपनी पकड़ पहले की भांति बरकरार रखने के लिए नीतीश कुमार ने जिस तरह से अपने चहेते व विश्वासपात्र नेताओं को उपमुख्यमंत्री बनाया है उसी तर्ज पर वरिष्ठ सहयोगी श्रवण कुमार को विधायक दल का नेता बनाकर संदेश स्पष्ट करने का प्रयास किया है. चर्चा है कि नीतीश कुमार जल्द ही जिलास्तरीय दौरा करने वाले हैं ताकि बिहार की राजनीतिक सरजमीं पर अपनी छाप को कायम रख सकें. कुछ लोग कह रहे हैं कि नीतीश कुमार दिल्ली के बजाय बिहार की राजनीति में ही अपनी उपस्थिति रखना चाहते हैं.

महिला विधेयक बहस में सुर्खियों में रही प्रियंका

लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा के दौरान वैसे तो सभी दलों के नेताओं ने बेहतर तर्कों के साथ अपने पक्ष को रखकर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई लेकिन इन सबके बीच विपक्षी खेमे से प्रियंका गांधी ने जिस अंदाज में सत्ता पक्ष का विरोध करते हुए सरकार को कठघरे में खड़ा किया उसकी चर्चा राजनीतिक गलियारों में खूब हुई. जहां एक तरफ गृहमंत्री अमित शाह ने अपने जवाबी संबोधन में भी प्रियंका की शैली पर प्रकाश डालते हुए दूसरों को नसीहत दी वहीं दूसरी ओर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी प्रियंका के अंदाज की तारीफ करते हुए कहा कि जो मैं वर्षों में नहीं कर सका उसे प्रियंका ने कर दिखाया.

बंगाल में दीदी के दांव पर दादा भारी

दिलीप झा

पश्चिम बंगाल के प्रथम चरण चुनाव के लिए मात्र दो दिन बचे हैं.2021 के चुनाव में प्रशांत किशोर ने कहा था कि बीजेपी 100 से नीचे ही रहेगी और यह बात उन्होंने बड़े दावे के साथ कही थी.हुआ भी ऐसा ही।?जानकार बताते हैं कि इस बार टीएमसी 100 के पार नहीं जाएगी.बंगाल के सूत्र बताते हैं कि प्रशांत किशोर ने ऐसा इसलिए कहा था क्योंकि पिछले चुनाव में उनकी कथित कंपनी आईपैक ने चुनाव को कंट्रोल कर लिया था।? पूरे राज्य की मशीनरी पर आईपैक ने कब्जा जमा लिया था.इस चुनाव में भी आईपैक ममता बनर्जी के साथ काम रही है।? लेकिन इस बीच सबसे बड़ी खबर यह आई है कि चुनाव शुरू होने से पहले ही आईपैक ने बंगाल से अपना बोरिया बिस्तर बांध लिया है.इस घटना के बाद ममता बनर्जी की छटपटाहट और खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे की तरह प्रतिक्रिया सामने आने लगी है.उन्होंने एक सभा में यहां तक कह दिया कि अगर टीएमसी की सरकार बनी तो फिर मिलेंगे।? ममता के इस बयान के बाद टीएमसी के कार्यकर्ताओं में निराशाजनक माहौल उत्पन्न हो गया है कि दीदी खुद बोल

रही है सरकार बनी तो मिलेंगे. इसका मतलब ममता दीदी को यह महसूस हो गया कि उनकी सरकार नहीं बन रही है. इस बीच 17 अप्रैल को महिला आरक्षण बिल का टीएमसी ने समर्थन न करके अपने पैर में कुल्हाड़ी मार ली है.हालांकि टीएमसी के महिला आरक्षण पर समर्थन से भी यह पास नहीं होता क्योंकि इसके लिए कांग्रेस का समर्थन जरूरी था.लेकिन टीएमसी ने अगर समर्थन कर दिया होता तो आज ममता बीजेपी के निशाने पर नहीं होती.18 अप्रैल को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीएमसी सरकार पर जोरदार हमला किया है.उन्होंने कहा कि टीएमसी ने संसद में महिला आरक्षण विधेयक का विरोध कर यह सिद्ध कर दिया कि बंगाल की राजनीति में महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा भागीदारी देने के पक्ष में नहीं है.इस बीच ममता बनर्जी और टीएमसी नेता वोटर को धमकाने लगे हैं कि एक एक वोटर का नाम और पता हमारे पास है.इसलिए जिसने वोट नहीं दिया उसे अंजाम भुगतना पड़ेगा.लेकिन चुनाव आयोग शांतिपूर्वक चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है और टीएमसी के 800 गुंडों पर एफआईआर दर्ज करके यह सिद्ध कर दिया है कि धमकाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा.ममता बनर्जी इसके खिलाफ भी हाईकोर्ट पहुंच कर यह दलील दे रही हैं कि हमारे 800 कार्यकर्ताओं के ऊपर एफआईआर दर्ज कराई गई है. सूत्र बताते हैं कि पिछले तीन दिनों से आईपैक के स्टेट दफ्तर पर ताला लगा हुआ है.आईपैक के एचआर ने कोलकाता में काम कर रहे 150 कर्मचारियों को नोटिस भेजकर 20 दिन तक आफिस नहीं आने के लिए कहा गया है.मतलब इस बार आईपैक की कथित हेराफेरी की जादूगरी नहीं चल पा रही है.जबकि ममता के समर्थक उन्हें बाजीगर कहते हैं लेकिन उनकी बाजीगरी पर चुनाव आयोग और बीजेपी के रणनीतिकार भारी है.केंद्रीय सुरक्षा बल चप्पे-चप्पे पर तैनात है.इस बार के वोटर आश्वासित है कि उन्हें कोई जबरदस्ती वोट डालने के लिए धमकाना तो दूर पास फटक भी नहीं सकता.? इस बार चुनावी गुंडों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने खुलकर ललकारा है और आगाह किया है कि अगर उन्होंने समर्पण नहीं किया तो उनकी शामत आ जाएगी.पिछले चुनाव के बाद हुए हिंसा के शिकार पांच हजार लोग जो असम भागकर चले गए थे.वे वापस आकर बीजेपी का खुलकर और निर्भिक होकर समर्थन कर रहे हैं.पूरे प्रदेश में भगवा ध्वज लहरा रहा है.लोगों में चुनाव को लेकर जोश है.

क्या डॉलर का कोई विकल्प संभव है?

यदि ब्रिक्स देश डॉलर का व्यवहार कम करें तो उसकी मांग घट जाएगी. इससे भारत का रुपया स्थिर करने में मदद मिलेगी. अन्यथा भविष्य में 1 डॉलर 100 रुपए का भी हो सकता है. कम से कम चीन, रूस और भारत इस बारे में सोच सकते हैं कि डॉलर पर निर्भरता कैसे कम की जाए.

ब्रिक्स देशों की 2025 में ब्राजील में हुई शिखर परिषद में आपसी व्यापार के लिए डॉलर की बजाय वैकल्पिक मुद्रा लाने पर विचार किया गया. इसका पता लगते ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन व द. अफ्रीका) के खिलाफ कठोर नीति अपनाई तथा अतिरिक्त कर या टैरिफ लागू कर दिया. वस्तुस्थिति यह है कि विश्व में 90 प्रतिशत से अधिक व्यापार डॉलर में होता है. इसका लाभ उठाते हुए अमेरिका विश्व की एकमात्र महाशक्ति बना हुआ है. सभी देशों के विदेशी मुद्राकोष में अधिकांशत: डॉलर रहते हैं. जब रूस ने यूक्रेन पर हमला किया तो अमेरिका ने रूस के साथ डॉलर में व्यापार करने पर प्रतिबंध लगा दिया. इससे रूस का किसी भी देश से व्यापार करना कठिन हो गया. विश्व में डॉलर का इतना वर्चस्व है कि कहा जाता है 'अमेरिका इज ग्रेट बट डॉलर इज आलमाइटी!' (अमेरिका महान है लेकिन डॉलर सर्वशक्तिमान है). वर्ष भर में डॉलर के मुकाबले रुपया 11 प्रतिशत कमजोर हो गया है. जापानी मुद्रा येन की भी यही स्थिति है. हालत तो पाकिस्तान की काफी बुरी है लेकिन उसकी खस्ताहाल अर्थव्यवस्था को आईएमएफ, चीन व सऊदी अरब से सहारा मिल जाता है. अमेरिका भी पाकिस्तान से इसलिए खुश है क्योंकि वह ईरान के साथ समझौता कराने में बिचौलिए की भूमिका निभा रहा है. पाक सेना प्रमुख मुनीर को ग्रेट फील्डमार्शल कहने वाले ट्रंप पाकिस्तान की इकोनॉमी डूबने नहीं देंगे. भूमंडलीकरण के चलते डॉलर का कोई विकल्प तैयार हो पाना मुश्किल है. अमेरिका उपभोग प्रधान देश है. हर देश उससे व्यापार करना चाहता है. इसके बावजूद युद्ध ने ऐसा माहौल तैयार कर दिया है कि ब्रिक्स देशों को आपसी व्यापार बढ़ाने के लिए डॉलर के अलावा आपसी सहमति से कोई करन्सी बनानी पड़ेगी.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

'नारी शक्ति बिल हुआ बेअसर राहुल ने बताया मोदी को जादूगर

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को जादूगर कह दिया जिसे बीजेपी नेताओं ने पीएम का अपमान माना है. आपकी 'जादूगर' शब्द को लेकर क्या राय है?'

हमने कहा, 'जादूगर वह होता है जो असंभव को संभव करके दिखाए और लोगों को आश्चर्यचकित कर दे. आपने देखा होगा कि जादूगर अपने हैट से खरगोश और किसी के कान से सिक्के निकालकर दिखाता है. वह सामने काला कपड़ा हिलाकर स्टेज से गायब हो जाता है और क्षणभर में दर्शकों के बीच प्रकट हो जाता है. पीसी सरकार का नाम बड़े जादूगरों में लिया जाता था. किसी को जादूगर कहने का अर्थ है कि वह कमाल कर सकता है और कुछ भी करने में सक्षम है. जब टीवी नहीं आया था तब जादू के खेल जनता को आकर्षित करते थे.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, जादू असल में हाथ की सफाई है जिसे बड़ी कुशलता से सीखा जाता है. कोई मामूली इंसान जादूगर नहीं बन सकता. जादूगर को मेस्मरिज्म या सम्मोहन करना आता है. कहावत

है- जादू वह है जो सिर चढ़कर बोले. हिंदी फिल्मों में जादू को लेकर कितने ही गाने हैं. प्रदीपकुमार वैजयंतीमाला की पुरानी फिल्म 'नागिन' का गीत था- 'जादूगर सैंया छोड़ो मेरी बहियां, अब घर जाने दो!' इसी तरह आपने सुना होगा- 'दिल लूटने वाले जादूगर, अब मैंने तुझे पहचाना है!' 'जादू तेरी नजर, खुशबू तेरा बदन, तू हां कर या ना कर तू है मेरी किरण!', 'तूने ओ रंगीले कैसा जादू किया, पिया-पिया बोले मतवाला जिया !' सुदेश भोसले ने गाया था- 'मिस्टर लोला-लोला तेरी बातों का जादू!' विख्यात गायक कुंदनलाल सहगल ने गाया था- 'मैं क्या जानूं क्या जादू है तेरे दो मतवाले नयनों में!'

हमने कहा, एक जमाने में सबसे आकर्षक कॉमिक्स 'जादूगर मैन्ड्रेक' माना जाता था जिसे बच्चे ही नहीं, बड़े भी बहुत चाव से पढ़ते थे. उसमें मैन्ड्रेक अपनी पत्नी नारडा और अपने सहायक लोथर के साथ चक्करदार रास्ते वाली ऊंची पहाड़ी पर बने बंगले 'जनाडू' में रहता है. वह जादू के इशारे से दुष्टों को मात देता है. लोथर अफ्रीका का तगड़ा पहलवान है. वह एक घूंसे में किसी को जमीन सुंघा सकता है. जादूगर मैन्ड्रेक का रसोइया होजो भी ब्लैकबेल्ट धारक मार्शल आर्ट विशेषज्ञ है. इस कॉमिक्स में एक बूढ़ा पुलिस चीफ भी है. जो मामला पुलिस नहीं संभाल पाती, उसे मैन्ड्रेक अपने जादू से निपटा देता है.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, मैन्ड्रेक का जादू भूल जाइए. अब राहुल ने मोदी को महान जादूगर बताया है जो महिला आरक्षण के कवर में लपेटकर परिसीमन बिल लेकर आए थे.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12236 - डॉ. सागर खादीवाला

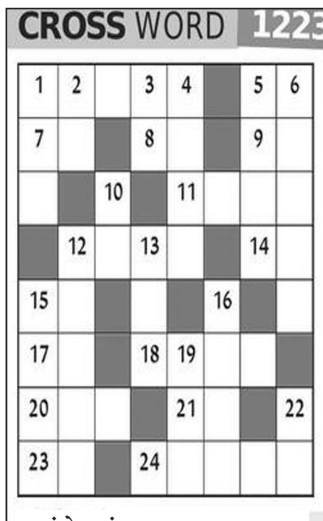

रखा जाए जहां से वह कहीं भाग न सके
ऊपर से नीचे
1. व्यर्थ की बकवास (सं.) 2. शरीर पर काले रंग का छोटा दाग 3. बाप, जनक 4. छटपटाना, तलमलाना 5. बारातियों के ठहरने का स्थान 6. जो बल खाता गया हो 10. पहलवान 12. दूसरों को कष्ट या दुख देने वाला 13. कारण, हेतु (उर्दू) 15. पूजा, आराधना 16. बकरे को भी निगल जाने वाला भारी सांप 19. अभ्यास, मेहनत (उर्दू) 22. श्रीकृष्ण के पालक पिता

बाएं से दाएं
1. जिसका स्थापन किया गया हो (सं.) 5. पानी 7. सुर्ख, माणिक रत्न 8. एक सीधा और ऊंचा वृक्ष जिसकी चोटी पर पत्ते होते हैं 9. नख 11. घर के लोग, कुटुंब, बाल-बच्चे 12. पनपना, पल्लवित होना 14. साधारण बनावट का, सीधा, सरल 15. हृदय, मन, छाती 17. पातकी, पाप करने वाला 18. ईश्वर का भक्त, पददलित तथा अस्पृश्य जातियों का सामूहिक नाम 20. आने-जाने का चौड़ा और पक्का मार्ग 21. यज्ञ (सं.) 23. नासिका, प्रतिष्ठा या शोभा की वस्तु 24. जो किसी ऐसे स्थान पर कड़ी निगरानी में

Solution 12235

प्र	ति	क	र	ण	■	स	च
श	रा	रा	■	■	सु	फ	ल
म	सी	ह	■	वि	पु	ल	ता
न	■	ना	म	मा	त्र	■	खा
■	अ	■	ध्या	न	■	ज्ञा	ता
को	स	ना	■	चा	ब	ना	■
प	र	दा	■	ल	■	स	न
■	■	न	म	क	दा	न	■

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में विशेष परिश्रम करना होगा. वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग रहेगा. आर्थिक लाभ होगा. व्यर्थ वाद विवाद रहेगा. मित्र के कारण कार्यों में बाधाओं का सामना करना पड़ेगा. वर्ष के मध्य में मतभेद रहेगा. पारिवारिक परेशानी में वृद्धि होगी. मान सम्मान के प्रतिसतर्क रहें. स्वजनों से मतभेद होगा. शारीरिक कष्ट और मानसिक चिन्ता रहेगी. वर्ष के अन्त में शासन सत्ता का लाभ होगा. व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को पद का लाभ मिलेगा. सामाजिक कार्यों में सफलता मिलेगी. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शत्रु वर्ग से कष्ट होगा, चिन्ता रहेगी. कर्क राशि के व्यक्तियों को स्थिति में सुधार होगा. शिक्षा में सफलता मिलेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को कार्यक्षेत्र में रूचि रहेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को सहयोग रहेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को शारीरिक कष्ट होगा. मानसिक चिन्ता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक शांतिप्रिय स्वाभाव का होगा, इनकी प्रगति नौकरी के माध्यम से होगी, माता पिता के भक्त होते हैं, धार्मिक आस्था रहती है, जन्म स्थान के पास ही उन्नति एवं भाग्योदय होगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

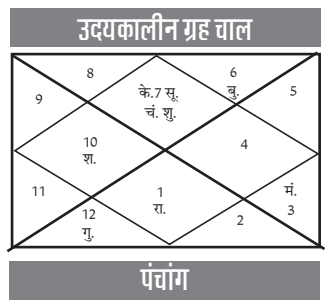

पंचांग

रा.मि. 02 संवत् 2083 वैशाख शुक्ल पंचमीं बुधवासरे प्रात: 5/47 तदुपरि षष्ठी तिथौ रात 3/27, आर्द्रा नक्षत्रे रात 2/42, अतिगण्ड योगे दिन 1/28, बालव करणे सू.उ. 5/37, सू.अ. 6/23, चन्द्रचार मिथुन, शु.रा. 3, 5, 6, 9, 10, 1 अ.रा. 4, 7, 8, 11, 12, 2 शुभांक- 5, 7, 1.

व्यापार भविष्य

वैशाख शुक्ल पंचमीं/षष्ठी को आर्द्रा नक्षत्र के प्रभाव से रूई, सूत, कपास, सन् जट, पाट, बारदाना आदि के भाव में घटबढ़ रहेगी, सोना, चांदी, के भाव मेंउतार चढ़ाव आयेगा, भाग्यांक 2508 है.

मेष- धर्म एवं आध्यात्मिकता की ओर रूझान रहेगी, यश प्राप्त होगा, प्रियजनों का सहयोग बना रहेगा, नवीन कार्यों की पूर्ति होगी, माता पिता की चिन्ता होगी.

वृषभ- परिजनों के सुखद दुख से प्रभावित मन परिवार को एकजुट रखने में केन्द्रित होगा, स्वास्थ्य के प्रति सजग रहें, व्यवसाय में अशांति हो सकती है.

मिथुन- मधुरवाणी से संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी. व्यवसायिक कार्यों में खर्च होगा, परिश्रम अधिक होगा, धार्मिक कार्यों के बनने का योग है.

कर्क- इच्छित कार्यों में सफलता मिलेगी, मनोरंजन एवं उत्सव आदि के कार्यों में खर्च होगा, आलस्य से बचना चाहिये, पुराना पैसा प्राप्त होगा.

सिंह- भविष्य संबंधी कुछ चिन्तायें मन पर प्रभावी रहेंगी, अचल संपत्ति क्रय पर विचार होगा, जोखिम आदि से दूर रहेंगे, जल्दबाजी न करना हितकर रहेगा.

कन्या- संतान संबंधी कोई सुखद समाचार मिलेगा, परिचितों का सहयोग रहेगा, उचित मार्गदर्शन मिलेगा, सुख श्शांति बनी रहेगी.

तुला- व्यवसाय में सफलता हेतु नवीन प्रयास होंगे, पारिवारिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी, आरोग्य सुख बना रहेगा, लाभदायक काम बनेगा.

वृश्चिक- मन धनागम की युक्तयों की ओर केन्द्रित होगा, कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों से मतभेद संभव है, आत्म विश्वास बना रहेगा, साहस बढ़ेगा.

धनु- आलस्य का त्याग करें, जीवनसाथी का भावनात्मक सहयोग प्राप्त होगा, आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे, अनसोचे कार्य होने से सहयोग मिलेगा.

मकर- मन पर नियंत्रण रखकर अपने कर्त्तव्यों के प्रति केन्द्रित हों, मन ढेर सारे पूर्वाग्रह से प्रभावित होगा, ज्ञात भय एवं चिन्ता दूर होगी, मित्रों का सहयोग रहेगा.

कुम्भ- कार्यों में विलंब होगा, कुछ नई सामाजिक व्यस्ततायें, सामने आयेंगी, महत्पूर्ण दायित्वों की पूर्ति होगी, मानसिक चिन्ता रहेगी, कार्यों की रूपरेखा बनेगी.

मीन- मानसिक संतुष्टि रहेगी, यश प्राप्त होगा, मनोरंजन के कार्यों में व्यय होगा, परिचितों का सहयोग प्राप्त होगी. आर्थिक यात्रा का योग बनेगा.

SUDOKU 7368

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7367

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	6	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2